FOUR YEAR UNDERGRADUATE PROGRAM (2024-28)

DEPARTMENT OF SANSKRIT

COURSE CURRICULUM

PART-A: Introduction				
Program: Bachelor in Arts (Diploma/Degree/Honors)		Semester- IV		
1	Course Code	SNSE-02		
2	Course Title	भारतीय संस्कृति		
3	Course Type	DSE		
4	Pre-requisite (if any)	As per program		
5	Course Learning Outcomes (CLO)	• भारतीय संस्कृति के मूल तत्त्वों की वैज्ञानिकता का अध्ययन कर भारतीय संस्कृति के प्रति विद्यार्थियों में आस्था का निर्माण होगा। • भारतीय संस्कृति के मूल तत्त्वों की वर्तमान प्रासंगिकता का ज्ञान प्राप्त कर विद्यार्थी सांस्कृतिकतत्त्वों के चिरकालीन महत्त्व को जान सकेंगे। • सांस्कृतिक विशेषताओं को आत्मसात् कर विद्यार्थियों का शुद्ध चरित्र एवं उत्तम व्यक्तित्व का निर्माण होगा। • ऋग्वैदिक एवं उत्तरवैदिक कालीन संस्कृति का विशिष्ट अध्ययन तत्कालीन सांस्कृतिक एवं सामाजिक परिवेश को जानने में लाभकारी सिद्ध होगा। • सांस्कृतिक शोध में विद्यार्थियों की रुचि विकसित होगी।		
6	Credit Value	04 Credits	Credit = 15 Hours - learning& Observation	
7	Total Marks	Max. Marks : 100		Min. Passing Marks : 40

PART – B Content of the Course		
Total No. of Teaching-Learning Periods (01 Hr. Per periode) 60Periods (60 Hours)		
Unit	Topic (Course Contents)	No. of Periods
I	संस्कृति की परिभाषा, अर्थ, कार्य, उद्देश्य, संस्कृति सभ्यता में अन्तर, भारतीय संस्कृति का वैशिष्ट्य	15
II	वर्णव्यवस्था, आश्रम व्यवस्था, ऋण, महायज्ञ, पुरुषार्थचतुष्टय,षोडशसंस्कार	15
III	ऋग्वैदिक कालीन संस्कृति का वैशिष्ट्यएवं महत्त्व, सामाजिक व्यवस्था, राजनैतिक व्यवस्था, आर्थिक व्यवस्था, धार्मिक व्यवस्था, शिक्षा व्यवस्था, कला एवं शिल्प, नारी की स्थिति	15
IV	उत्तर ऋग्वैदिक कालीन संस्कृति का वैशिष्ट्य एवं महत्त्व, सामाजिक व्यवस्था,	15

	राजनैतिक व्यवस्था, आर्थिक व्यवस्था, धार्मिक व्यवस्था, शिक्षा व्यवस्था, कला एवं शिल्प, नारी की स्थिति	
Keywords	संस्कृति, सभ्यता,वर्णव्यवस्था,आश्रमव्यवस्था, ऋण, महायज्ञ, पुरुषार्थचतुष्टय,षोडशसंस्कार	

Signature of Convener & Members(CBoS) :

PART – C : Learning Resources

Text Books and Others

Text Books Recommended –

1 भारतीय संस्कृति - डॉ. प्रीति प्रभा गोयल, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर

2. भारतीय संस्कृति सौरभम् – प्रोफेसर रामजी उपाध्याय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

3. प्राचीन भारतीय साहित्य की सांस्कृतिक भूमिका प्रोफेसर रामजी उपाध्याय, देवभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

4 भारतीय संस्कृति का इतिहास - डॉ. ए. के. मित्तल एवं डॉ. आर. अग्रवाल, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा

5. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति बलदेव उपाध्याय, शारदा प्रकाशन, वाराणसी

6. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

e- Resources/ e-books and e-learning portals

e- Resources/ e-books and e-learning portals

PART – D: Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods :

Maximum Marks : 100 Marks

Continuous Internal Assessment (CIA) : 30 Marks

End Semester Exam (ESE) : 70 Marks

Continuous Internal Assessment (CIA): (By Course Teacher)	Internal Test /Quiz-(2) : 20 & 20 Assignment / Seminar - 10 Total Marks - 30	Better marks out of the two Test / Quiz +obtained marks in Assignment shall be considered against 30

		marks
End Semester Exam (ESE) :	Two section – A & B Section A :Q1 Objective-10 × 1=10 Marks Q2 Short answer type-5 × 4=20Marks Section B : Descriptive answer type qts. 1out of 2 from each unit-4 × 10=40 Marks	

Signature of Convener & Members(CBoS) :